समाजशास्त्र के अन्तर्गत समाज का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है अर्थात समाज में घटित होने वाली समस्त सामाजिक प्रक्रियाओं, घटनाओं एवं समस्याओं का वैज्ञानिक विश्लेषण एवं वैज्ञानिक सिद्धांतों का निर्माण इस समाजशास्त्र विषय के अन्तर्गत किया जाता है। *सर्वप्रथम यूरोपीय देश फ्रांस के समाज वैज्ञानिक ऑगस्त काम्टे (Auguste Comte) ने 1838 ई0 में इस विषय की नींव रखी, इन्हें समाजशास्त्र का जनक (Father of Sociology) भी कहा जाता है।* इनके चिंतन में स्पष्ट रूप से **वैज्ञानिकता, तर्कवाद एवं प्राकृतिक विज्ञानों** की अनुसंधान पद्धतियों का विशेष प्रभाव देखा जा सकता है।

ऑगस्त काम्टे ने समाजशास्त्र को परिभाषित करते हुए स्पष्ट किया की यह विज्ञान समाज के दो आयामों का वैज्ञानिक विश्लेषण करेगा 1. सामाजिक स्थैतिकी (Social Statics) 2. सामाजिक गतिशीलता (Social Dynamics)

सामाजिक स्थैतिकी :- समाज की वे संस्थाएं, संरचनाएं, व्यवस्था एवं संगठन जिनका अस्तित्व सार्वभौमिक ,सर्वकालिक एवं अन्त:सम्बन्धित है।

सामाजिक गतिकी :- समाज में उपस्थित इन संस्थाओं, संरचनाओं, व्यवस्थाओं एवं संगठनों के अन्तर्गत होने वाले परिवर्तनों एवं उनके प्रभावों से है।

वस्तुत: समाजशास्त्रियों ने समाजशास्त्र की परिभाषाओं में उन सूक्ष्म एवं वृहद प्रक्रियाओं को रखा है जो व्यक्ति और व्यक्ति के बीच, व्यक्ति और समूहों के बीच तथा समूहों और समूहों के बीच घटित होती है और व्यक्ति, समूह एवं समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है।

इसी सन्दर्भ में समाजशास्त्र की कुछ महत्त्वपूर्ण परिभाषाएं हैं जो इस प्रकार हैं

एम गिंसबर्ग (M.Ginsberg,1949:1) के अनुसार,"समाजशास्त्र व्यापक अर्थों में मानवीय अन्त: क्रियाओं एवं अन्त: सम्बन्धों, उनकी अवस्थाओं एवं परिणामों का अध्ययन है"(In the broadest sense, Sociology is the study of human interactions, and interrelations, their conditions and consequences)

लेस्टर एफ वार्ड(Lester F.Ward) के अनुसार, "समाजशास्त्र समाज का या सामाजिक घटनाओं (या तथ्यों) का विज्ञान है" (sociology is the science of society or of Social phenomena).

मैक्स वेबर(Max Weber) के अनुसार, "समाजशास्त्र सामाजिक क्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन है।"

पार्क एवं बर्गस (Park and Burgess) के अनुसार, "समाजशास्त्र सामूहिक व्यवहार का विज्ञान है" (sociology is the science of collective behaviour).

मैकाइवर और पेज (MacIver and Page) ने समाजशास्त्र को और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा कि "समाज सामाजिक सम्बन्धों का जाल है और समाजशास्त्र इन्हीं सम्बन्धों के जाल का वैज्ञानिक अध्ययन है" (sociology is all about social relationships) वहीं ***जॉनसन*** ने समाजशास्त्र को सामाजिक समूहों का अध्ययन कहा है उनके अनुसार, "समाजशास्त्र एक विज्ञान है, जो सामाजिक समूहों का अध्ययन करता है, विशेषकर उनकी आन्तरिक आकृति या व्यवस्था की विधियों, प्रक्रियाओं का, जो व्यवस्था के रूपों को बनाए रखता है या उनमें परिवर्तन लाने की चेष्टा करता है।"

इस प्रकार इन परिभाषाओं से स्पष्ट है कि समाजशास्त्र मुख्य रूप से निम्न सामाजिक प्रक्रियाओं एवं घटनाओं का अध्ययन करने वाला विज्ञान है--

1. सामाजिक संबंधों के अध्ययन का विज्ञान
2. सामाजिक समूहों के अध्ययन का विज्ञान
3. सामाजिक क्रियाओं के अध्ययन का विज्ञान
4. सामाजिक अन्त: क्रियाओं एवं अन्त: संबंधों के अध्ययन का विज्ञान है
5. सामाजिक घटनाओं एवं तथ्यों के अध्ययन का विज्ञान
6. सामूहिक व्यवहार के अध्ययन का विज्ञान

अन्त में यह कहा जा सकता है कि समाजशास्त्र समाज एवं समाज में घटित होने वाली विभिन्न सामाजिक प्रक्रियाओं, घटनाओं, संरचनाओं, व्यवस्थाओं का वैज्ञानिक अध्ययन है।